तापमान

अधिकतम 34 .9 डिग्री
न्यूनतम 16 .2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

11 समाज हित को समर्पित रहे ज्योतिबा फुले : डॉ. अरविंद

12 आंबेडकर का जीवन राष्ट्र के लिए प्रेरणापुंज : दीवान

खबर संक्षेप

टाटा एस की टक्कर से महिला की मौत

गोहाना। रोहतक-पानीपत हाईवे पर एक तेज रफ्तार टाटा-ऐस ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दंपती सड़क पर गिर गए। हादसे में महिला के ऊपर से वाहन का पहिया गुजर गया। घायल अवस्था में उसे रोहतक के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गांव खिडवाली निवासी ओम कुवार अपनी पत्नी रितु के साथ इसराना से लौट रहे थे, तभी गोहाना बाईपास के पास यह हादसा हुआ। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी चालक और वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

दिव्यांग सेवा संस्था से नाबालिग लापता

गोहाना। शहर के दिव्यांग सेवा संस्था से मानसिक रूप से असमर्थ एक बच्चा लापता हो गया। संस्था संचालक ने पुलिस से बच्चे की तलाश करने की अपील की है।गांव खुबडू निवासी अशोक ने बताया कि उनकी संस्था में 2 अप्रैल को बाल कल्याण समिति के आदेश पर 7-8 वर्षीय अज्ञात बच्चे को रखा गया था। बच्चा बोलने और समझने में असमर्थ है।7 अप्रैल को वह अचानक संस्था से चला गया और वापस नहीं लौटा।

सीएससी सेंटर में दिनदहाड़े चोरी

गन्नौर । सरकारी अस्पताल के पास स्थित सीएससी सेंटर पर दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने आई है। शास्त्री नगर निवासी संचालिका सोनिया ने पुलिस को बताया कि 10 अप्रैल को दो युवक प्रिंटआउट कराने के बहाने दुकान पर आए।बातों में उलझाकर उन्होंने गल्ले से 15 से 20 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास तलाश की गई, लेकिन आरोपितों का कोई पता नहीं चला।

कैंटर की टक्कर में बाइक सवार की मौत

गन्नौर। फ्लाईओवर के पास कैंटर की टक्कर से घायल बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान दिल्ली के नरेला निवासी कमल गर्ग के रूप में हुई है।बताया गया कि 8 अप्रैल को वह बाइक पर हलदाना चौक के पास जा रहा था, तभी पीछे से आए कैंटर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात कैंटर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रतनगढ़ के पास सोनीपत गोहाना हाईवे की एक लेन चार घंटे तक बाधित रही

फसल खरीद पर शर्तें लगाने के विरोध में किसानों ने हाईवे कब्जाया

सोनीपत। सड़क पर बैठक विरोध जताते हुए किसान। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। मंडियों में लागू किए गए नए नियमों के विरोध में शनिवार को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने गांव रतनगढ़ के पास सोनीपत गोहाना हाईवे की एक लेन को चार घंटे तक जाम रखा। सुबह 11 बजे शुरू हुआ यह धरना दोपहर तीन बजे तक जारी रहा जिससे यातायात काफी प्रभावित रहा। धरने पर बैठे किसानों ने सरकार पर धान घोटाले में प्रशासन और मिलरों की मिलीभगत रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। इस धरने में राजेंद्र कोहला, ईश्वर दहिया, दलबीर मदीना, राजेंद्र सरोहा, सतपाल मलिक, मंजीत और शेर सिंह सहित कई किसान संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। धरने के दौरान एसडीएम अनमोल और डीसीपी जितेंद्र सिंह किसानों के बीच पहुंचे और उनसे बातचीत की। हालांकि किसान अपने तय समय पर ही हाईवे से हटे। प्रदर्शन के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा और पुलिस ने दूसरी लेन से वाहनों का आवागमन सुचारू कराकर यातायात व्यवस्था संभाली।

नियम वापस नहीं लिए तो आंदोलन तेज करेंगे

किसानों से बातचीत करते अधिकारी।

किसान नेताओं ने मंडियों में लागू बायोमेट्रिक हाजिरी और ट्रैक्टर ट्रॉली नंबर दर्ज कराने जैसे नियमों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि इन नियमों से किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है जैसे वह कोई अपराधी हों। प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि बिना अंगूठा सत्यापन और वाहन नंबर दर्ज कराए उन्हें मंडी में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। इसके लिए पुलिस की तैनाती करके सख्ती बरती जा रही है जिससे किसानों में भारी रोष है। इसके अलावा किसानों ने प्रदेश में बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दे भी उठाए।

खरीद और उठान प्रक्रिया की लचर व्यवस्था से किसान बेहाल

सोनीपत। गेट पास कटवाने के लिए लगी ट्रैक्टर-ट्रालियों की लंबी लाइन।

सोनीपत। जिलाभर की अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर गेहूं की आवक बढ़ने से हालात बेकाबू होने लगे हैं। मंडियों में उठान की धीमी प्रक्रिया के चलते जगह-जगह गेहूं के ढेर लग चुके हैं। कटाई प्रक्रिया के बाद मंडी में गेहूं लाने वाले किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है। उधर प्रशासन की अनदेखी से किसानों में नाराजगी दिखने लगी है। किसानों का आरोप है कि मंडियों में जिस हिसाब से आवक हो रही है, उसी तरह उठान में अनियमितताएं बरती जा रही हैं। खरीद एजेंसियों की ओर से न तो समय पर गेहूं की खरीद की जा रही है, न ही उठान को लेकर कोई उचित प्रबंध हैं। ऐसे में किसान खासकर ग्रामीण अंचल स्थित खरीद केंद्रों के पास खेतों में गेहूं की फसल उतारने को मजबूर हैं।

8372 मीट्रिक टन की खरीद, 1166 एमटी का ही हुआ उठान

बता दें कि जहां एक ओर खेतों में गेहूं की कटाई का कार्य चरम सीमा पर है, वहीं सोनीपत मंडी में अब तक 8372 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है, उसमें से मात्र 1166 एमटी का ही उठान हो पाया है। ऐसे में अन्य किसानों की फसल मंडी पड़ी होने से उन्हें मौसम की मार का डर भी सता रहा है। मंडियों में जगह के अभाव व आवक ज्यादा होने के चलते किसानों को अपना गेहूं डालने में परेशानी झेलनी पड़ रही है। किसानों का आरोप है कि जहां प्रशासन की ओर से मंडियों में बेहतर सुविधाएं देने के बड़े-बड़े वादे किए जा रहे है, वहीं धरातल पर यह व्यवस्थाएं दावों की पोल खोल रही है। मंडियां गेहूं के ढेर से भरने लगी है।

गोहाना में बदमाश बेखौफ

कार से टक्कर मारकर बाइक सवार को गिराया मारपीट कर गोली मारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

शहर में बरोदा रोड स्थित रेलवे फाटक के नजदीक कार हमलावरों ने बाइक सवार युवक को टक्कर मारकर रोड पर गिरा दिया। इसके बाद हमलावरों ने युवक को गोली मारी और धारदार हथियारों से भी हमला किया। वारदात को अंजाम देकर जब हमलावर भागने लगे तो युवक को दोबारा कार से कुचलने का प्रयास किया। उसे गंभीर हालत में नागरिक अस्पताल से भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जीआरपी की टीम युवक के बयान दर्ज करने पहुंची तो चिकित्सक उसका आपरेशन कर रहे थे और उसे अनफिट बताया गया। यहां युवक की पहचान शहर में देवीपुरा कालोनी के प्रमोद के रूप में हुई और वह शहर की मंडी में जिम चलाता है।

- बदमाशों ने भागते समय युवक पर कार चढ़ाने का प्रयास किया

देर रात को जीआरपी गोहाना की टीम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म दो के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि बरोदा रोड रेलवे फाटक के पास तीन-चार युवकों ने कार से बाइक सवार युवक को टक्कर मारी है। हमलावरों ने युवक को घेरकर पीटा और गोली भी मारी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक पर धारदार हथियारों से भी हमला किया गया। वारदात को अंजाम देकर हमलावर भागने लगे तो घायल युवक रोड से उठ गया, जिस पर उस पर दोबारा कार चढ़ाने की कोशिश की गई। युवक दीवार की तरफ हट गया। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो मौके पर क्षतिग्रस्त बाइक मिली और आसपास खून के निशान मिले। तब तक युवक को घटनास्थल से नागरिक अस्पताल ले जाया जा चुका था। पुलिस ने सीन आफ क्राइम टीम को बुलाया। जीआरपी की टीम अस्पताल पहुंची तो वहां युवक की पहचान देवीपुरा कालोनी के रूप में हुई। तब तक स्वजन उसे भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल ले जा चुके थे।

वहां पर प्रमोद का आपरेशन किया जा रहा था और उसे चिकित्सकों ने अनफिट बताया। इसके बाद चौकी के प्रभारी बलवान सिंह ने तीन-चार अज्ञात युवकों पर केस दर्ज कराया। शनिवार दोपहर को अंबाला से जीआरपी की क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की टीम गोहाना पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और वारदात को लेकर स्थानीय टीम से इनपुट लिया।

पीड़ित बयान देने की हालत में नहीं

प्रमोद बयान देने की स्थिति में नहीं है। उसकी स्थिति में सुधार होने पर बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
-**बलवान सिंह**, प्रभारी, गोहाना

बहन के भात न्योतने के दिन इकलौते भाई ने घर में फंदा लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

ढाई माह पहले ही बाल सुधार गृह से बाहर आया था, परिवार में मातम पसरा

गांव खेवड़ा में तीन बहनों के इकलौते भाई ने घर के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। हृदय विदारक घटना उस समय हुई जब युवक की बहन घर पर शादी का भात न्योतने आई हुई थी। खुशियों वाले घर में अचानक हुई इस मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है।

गांव खेवड़ा निवासी जतिन का शव घर की छत पर बने एक कमरे में पंखे से लटका मिला। परिजनों के अनुसार जतिन काफी देर तक कमरे से नीचे नहीं आया तो उन्होंने ऊपर जाकर देखा। दरवाजा धकेलकर अंदर जाने पर जतिन को फंदे से लटका देख परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने पिता सुरेंद्र के बयान दर्ज कर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा कराया। परिजनों ने बताया कि 25 अप्रैल को जतिन की भांजी की शादी तय है। इसी सिलसिले में उसकी बहन पानीपत से भात न्योतने के लिए मायके आई हुई थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं लेकिन इस हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। जतिन का पिछला रिकॉर्ड बताते हुए पुलिस ने जानकारी दी कि 5 नवंबर 2023 को बहालगढ़ क्षेत्र में एक कंबल विक्रेता की हत्या हुई थी। इस मामले में जतिन को आरोपित बनाया गया था। उस समय वह नाबालिग था इसलिए उसे बाल सुधार गृह भेजा गया था। करीब ढाई माह पहले ही वह जमानत पर बाहर आया था।

खड़े ट्रक से टकराई पंजाब रोडवेज की बस, चालक सहित कई घायल

- घायलों की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक पर केस दर्ज किया

गन्नौर। जीटी रोड पर भिगान टोल प्लाजा से आगे फ्लावर कनक होटल के सामने खड़े ट्रक से पंजाब रोडवेज की बस टकरा गई। हादसे में बस चालक पलविंदर सिंह व कंडक्टर जीवन बीर सिंह समेत कई सवारियां घायल हो गईं। पलविंदर सिंह, निवासी अमृतसर ने थाना बड़ी में दी शिकायत में बताया कि वह रात को दिल्ली आईएसबीटी से अमृतसर के लिए बस लेकर चला था। गन्नौर के पास पहुंचने पर जीटी रोड की एक लेन में एक ट्रक बिना किसी इंडिकेटर, रिफ्लेक्टर या चेतावनी संकेत के खड़ा था, जिससे बस सीधी टकरा गई। टक्कर लगते ही चालक को छाती व दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं, जबकि कंडक्टर और बस में सवार अन्य यात्रियों को भी चोटें लगीं। घायलों को तुरंत एंबुलेंस के जरिए सीएचसी गन्नौर ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें खानपुर कलां के अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जाति विशेष पर टिप्पणी करने वाले अधिकारी पर केस दर्ज

सोनीपत। सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित विवादित और आपत्तिजनक बयान के मामले में हरियाणा बिजली निगम के निलंबित अधीक्षण अभियंता (एसई) गीतुराम तंवर के खिलाफ सिटी थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वीडियो वायरल

उन पर जाति विशेष के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और वैमनस्य फैलाने का आरोप है। निलंबित अधीक्षण अभियंता के खिलाफ सोनीपत अदालत में अधिवक्ता प्रणय दीप सिंह ने सिटी थाना में शिकायत दी थी। शिकायत आरोप लगाया गया था कि वायरल वीडियो में गीतुराम तंवर ने एक जाति की तुलना पशु से करते हुए भड़काऊ भाषा का प्रयोग किया, जिससे समाज में तनाव और टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। पुलिस के अनुसार शिकायत और कानूनी राय के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196(1) के तहत थाना शहर सोनीपत में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रारंभिक जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े सभी साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद हरियाणा सरकार पहले ही गीतुराम तंवर को निलंबित कर चुकी है।

लार्ज कैप में बने निवेश के मौके

तीन से पांच साल में दे सकता है अच्छी ग्रोथ

18 महीने की कमजोरी के बाद बन रहा बढ़िया संतुलन

गिरते बाजार में लार्ज कैप बन सकता है भरोसे का सहारा

शॉर्ट टर्म दबाव के बावजूद लॉन्ग टर्म तस्वीर मजबूत

बिजनेस डेस्क

वैश्विक अनिश्चितताओं और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच शेयर बाजार में हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। खासकर मिड और स्मॉल कैप शेयरों में तेज गिरावट के कारण जोखिम की धारणा बढ़ी है। हालांकि, इसी दौर में लार्ज कैप शेयर निवेश के लिए मजबूत विकल्प बनकर उभरे हैं। करीब 18 महीनों की गिरावट के बाद इनका वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर आ चुका है, जिससे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एंट्री का अच्छा मौका बनता दिख रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि शॉर्ट टर्म में भले ही बाजार पर दबाव बना रहे, लेकिन भारत के मजबूत मैक्रो फंडामेंटल्स और कंपनियों की संभावित अर्निंग ग्रोथ आने वाले वर्षों में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। ऐसे में 3 से 5 साल का नजरिया रखने वाले निवेशकों के लिए यह समय वेल्थ क्रिएशन का अवसर साबित हो सकता है। पिछले डेढ़ साल में बाजार में आई गिरावट का असर सबसे ज्यादा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर देखने को मिला। हालांकि, लार्ज कैप कंपनियों ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई। इस दौरान लगातार दबाव के चलते अब इन कंपनियों के वैल्यूएशन काफी संतुलित और निवेश के लिहाज से आकर्षक हो गए हैं।

■ मिड और स्मॉल कैप में गिरावट, लार्ज कैप ने दिखाई

तेल की कीमत और जियो-पॉलिटिकल टेंशन का असर

- रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल बाजार पर दबाव बना रह सकता है। मिडिल ईस्ट में तनाव, होर्मुज स्ट्रेट के आसपास क्रूड सप्लाई की चिंता और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं बाजार की दिशा तय कर रही हैं।
- इन कारणों से शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। लेकिन यह दबाव स्थायी नहीं है। जैसे-जैसे परिस्थितियां सामान्य होंगी, बाजार में स्थिरता लौटने की उम्मीद है।

कंपनियों की कमाई तय करेगी भविष्य

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में बाजार की दिशा केवल वैल्यूएशन पर निर्भर नहीं रहेगी, बल्कि कंपनियों की वास्तविक कमाई अहम भूमिका निभाएगी। लार्ज कैप कंपनियां, जो पहले से ही मजबूत बिजनेस मॉडल और स्थिर कैश फ्लो रखती हैं, इस मामले में बेहतर स्थिति में हैं। ऐसे में इन कंपनियों में निवेश करने से दीर्घकाल में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है।

गोल्ड, क्रिप्टो और इक्विटी हर जगह अस्थिरता

हाल के महीनों में सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि गोल्ड और क्रिप्टो जैसी एसेट क्लास में भी भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। यह दर्शाता है कि वैश्विक निवेश माहौल फिलहाल अस्थिर है। इस तरह के समय में निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे भावनात्मक फैसलों से बचें और लंबी अवधि की रणनीति पर टिके रहें।

वैश्विक दबाव के बावजूद अर्थव्यवस्था स्थिर

विदेशी निवेशकों की बिकवाली और बाजार में गिरावट के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक दबावों को झेलने में सक्षम है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर भी सीमित रहने की उम्मीद है।

इतिहास भी देता है यही संकेत

- अगर इतिहास पर नजर डालें, तो हर बड़े संकट के बाद बाजार ने मजबूती से वापसी की है।
- 1991 के आर्थिक सुधार
- ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस (2008)
- कोविड-19 महामारी
- इन सभी घटनाओं के बाद भारत ने न सिर्फ रिकवरी की, बल्कि पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरा। यही कारण है कि विशेषज्ञ मौजूदा समय को भी एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

3 से 5 साल में वेल्थ क्रिएशन की संभावना

- धैर्य रखने वाले निवेशकों को मिल सकता है फायदा
- -लंबी अवधि के निवेशकों के लिए मौजूदा दौर जोखिम से ज्यादा अवसर का संकेत देता है। खासकर लार्ज कैप -शेयरों में, जहां वैल्यूएशन अब संतुलित हो चुके हैं।
- यदि निवेशक 3 से 5 साल का नजरिया रखते हैं, तो इस स्तर पर किया गया निवेश अच्छी वेल्थ क्रिएशन का आधार बन सकता है।

निवेशकों के लिए क्या है रणनीति?

- समझदारी और अनुशासन है जरूरी
- लॉन्ग टर्म दृष्टिकोण अपनाएं– शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं
- लार्ज कैप पर फोकस करें– स्थिरता और सुरक्षा के लिए
- एसआईपी के जरिए निवेश करें– बाजार टाइमिंग से बचने के लिए
- डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें– जोखिम कम करने के लिए

असमंजस में निवेशक

- मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं और बाजार की गिरावट ने निवेशकों को जरूर असमंजस में डाला है, लेकिन यही समय नए अवसर भी लेकर आया है। लार्ज कैप शेयरों में 18 महीनों की गिरावट के बाद वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर हैं, जो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।
- आने वाले 3–5 साल में, यदि आर्थिक परिस्थितियां सामान्य होती हैं और कंपनियों की कमाई में सुधार होता है, तो यह निवेश अच्छी वेल्थ में बदल सकता है। इसलिए, डर के बजाय समझदारी और धैर्य के साथ निवेश करना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

महीने के आखिर में खाली जेब से हैं परेशान तो बदल लें कुछ आदतें

सुझाव

बिजनेस डेस्क

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैसे कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से संभालना। अक्सर देखा जाता है कि अच्छी कमाई करने वाले लोग भी महीने के अंत में पैसों की कमी महसूस करते हैं। इसका मुख्य कारण है बिना योजना के खर्च करना। छोटी-छोटी अनावश्यक चीजों पर खर्च धीरे-धीरे इतना बढ़ जाता है कि महीने के आखिर में समझ नहीं आता कि पैसा आखिर गया कहां। अगर आप भी इस स्थिति से गुजर रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और व्यावहारिक आदतों को अपनाकर आप अपनी फाइनेंशियल लाइफ को बेहतर बना सकते हैं और आर्थिक तनाव से राहत पा सकते हैं।

जरूरत व इच्छा में फर्क समझें

फाइनेंशियल मैनेजमेंट की सबसे पहली और महत्वपूर्ण सीढ़ी है जरूरत और इच्छा के बीच अंतर समझना। जरूरतें वे होती हैं जो जीवन के लिए जरूरी हैं, जैसे किराया, राशन, बिजली-पानी के बिल, बच्चों की फीस और रोजमर्रा के खर्च। वहीं, इच्छाएं वे हैं जो जीवन को आरामदायक बनाती हैं जैसे बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग या नए गैजेट्स खरीदना। यदि आप हर खर्च से पहले खुद से यह पूछना शुरू कर दें कि "क्या यह जरूरी है या सिर्फ इच्छा?", तो आपकी आधी समस्या वहीं खत्म हो जाएगी। यह आदत आपको फालतू खर्च से बचाएगी और बचत बढ़ाने में मदद करेगी।

खर्च लिखने की आदत डालें

अक्सर हम यह समझ ही नहीं पाते कि हमारा पैसा कहां खर्च हो रहा है। ऐसे में रोजाना के खर्च को लिखने की आदत बेहद फायदेमंद होती है। आप एक नोटबुक या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब आप हर खर्च को रिकॉर्ड करते हैं, तो आपको साफ दिखाई देने लगता है कि किन चीजों पर ज्यादा पैसा जा रहा है।

- जैसे बार-बार बाहर खाना, ऑनलाइन ऑर्डर या बिना सोचे-समझे खरीदारी। यह आदत धीरे-धीरे आपको अनुशासित बनाती है और अनावश्यक खर्च अपने आप कम होने लगते हैं।

हर रुपये का एक उद्देश्य तय करें

- जब आपको अपनी आय और खर्च का सही अंदाजा हो जाए, तो अगला कदम है। हर रुपये को एक उद्देश्य देना।
- आप अपनी आय को तीन हिस्सों में बांट सकते हैं।
- जरूरी खर्च
- लाइफस्टाइल (इच्छाएं)
- बचत
- जब हर रुपये का काम पहले से तय होता है, तो पैसा इधर-उधर बिखरता नहीं है।

इससे आप अपने खर्च को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर पाते हैं और भविष्य की योजना बनाना आसान हो जाता है।

बचत को सबसे जरूरी खर्च मानें

- ज्यादातर लोग बचत को सबसे आखिरी में रखते हैं। जो बचेगा, उसे बचा लेंगे। यही सबसे बड़ी गलती है।
- सही तरीका यह है कि जैसे ही आपकी सैलरी आए, सबसे पहले एक तय राशि बचत के लिए अलग कर दें।
- भले ही शुरुआत छोटी हो, लेकिन नियमितता बहुत जरूरी है। हर महीने की यह छोटी बचत धीरे-धीरे एक बड़े फंड में बदल जाती है। यही फंड भविष्य में किसी इमरजेंसी में आपकी सबसे बड़ी ताकत बनता है। बचत करने से न सिर्फ आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि आपको मानसिक शांति और आत्मविश्वास भी मिलता है।

समय-समय पर खर्च की समीक्षा करें

- फाइनेंशियल प्लानिंग कोई एक बार का काम नहीं है, बल्कि यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।
- हर 2–3 महीने में अपने खर्चों की समीक्षा जरूर करें। देखें कि कहां ज्यादा खर्च हो रहा है, किन चीजों को कम किया जा सकता है और बचत बढ़ाने के क्या मौके हैं। बड़े बदलाव करने की बजाय छोटे-छोटे सुधार करें, जैसे बाहर खाने की आदत कम करना या अनावश्यक सब्सक्रिप्शन बंद करना। ये छोटे बदलाव लंबे समय में बड़ा असर डालते हैं।

समझदारी से खर्च, बेहतर भविष्य

पैसों को संभालना कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए सिर्फ जागरूकता और अनुशासन की जरूरत होती है। जब आप अपनी जरूरतों को समझते हैं, इच्छाओं को नियंत्रित करते हैं और हर रुपये का सही इस्तेमाल करते हैं, तो धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है। महीने के अंत में खाली जेब की चिंता तभी खत्म होती है, जब आप अपने पैसों पर नियंत्रण पा लेते हैं। याद रखें पैसा कमाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे सही तरीके से संभालना ही असली समझदारी है। यही छोटी-छोटी आदतें आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर जीवन में सुकून दिला सकती हैं।

सैलरी पर भरोसा काफी नहीं, मुश्किल समय में बैकअप ही असली सुरक्षा

- **एसआईपी और आरडी से आसान है इमरजेंसी फंड तैयार करना**
- **निवेश नहीं, इसका जरूरत के समय काम आना है मुख्य मकसद**
- **लिक्विड फंड ही दे सकता है सही समय पर बड़ी राहत**

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

आज के समय में नियमित सैलरी को लोग आर्थिक स्थिरता का प्रतीक मानते हैं, लेकिन हकीकत इससे काफी अलग है। बाहर से सुरक्षित दिखने वाली नौकरीपेशा जिंदगी अंदर से कई बार बेहद कमजोर होती है। एक छोटी सी समस्या जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या सैलरी में देरी पूरे वित्तीय संतुलन को बिगाड़ सकती है। यही वजह है कि वित्तीय विशेषज्ञ लगातार इमरजेंसी फंड बनाने पर जोर दे रहे हैं। जानकारों का कहना है कि बिना इमरजेंसी फंड के सैलरी पर निर्भर रहना वैसा ही है जैसे बिना स्टेपनी (स्पेयर टायर) के गाड़ी चलाना। जब तक सब कुछ ठीक चलता है, तब तक कोई समस्या नहीं दिखती, लेकिन जैसे ही रास्ते में दिक्कत आती है, पूरा सफर रुक जाता है।

इमरजेंसी फंड क्यों जरूरी

इमरजेंसी फंड एक ऐसा वित्तीय सुरक्षा कवच है, जो अचानक आने वाली परिस्थितियों में आपको कर्ज लेने से बचाता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि उनकी आय का मुख्य स्रोत एक ही होता है मासिक सैलरी। हर व्यक्ति के पास कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी परिवार का मासिक खर्च 40,000 रुपये है, तो उसे कम से कम 2.4 लाख रुपये का फंड तैयार रखना चाहिए। यह राशि किसी ऐसे माध्यम में होनी चाहिए, जहां से जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा निकाला जा सके जैसे सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट।

कर्ज के जाल में फंसने का खतरा

इमरजेंसी फंड न होने का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि मुश्किल समय में लोगों को कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। आंकड़ों के अनुसार, करीब 70% नौकरीपेशा भारतीयों के पास कोई लिक्विड बैकअप नहीं होता। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो लोग क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन का सहारा लेते हैं। यह कर्ज सस्ता नहीं होता। कई बार क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दर 30% से 36% तक पहुंच जाती है। इसका असर यह होता है कि एक छोटी सी समस्या धीरे-धीरे बड़े कर्ज में बदल जाती है। नई नौकरी मिलने तक कर्ज बढ़ता जाता है और उसे चुकाने में कई साल लग जाते हैं।

धीरे-धीरे बनाएं इमरजेंसी फंड

अक्सर लोग सोचते हैं कि इमरजेंसी फंड बनाने के लिए एक साथ बड़ी रकम चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं है। धीरे-धीरे तैयार किया जा सकता है।

कुछ आसान तरीके

- हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी या रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) शुरू करें
- बचत को ऑटोमेट करें, ताकि नियमितता बनी रहे
- बोनस या अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा इसमें जोड़ें
- अनावश्यक खर्चों को कम करके बचत बढ़ाएं
- समय के साथ यह छोटी-छोटी बचत एक मजबूत फंड में बदल जाती है, जो किसी भी संकट में आपकी मदद कर सकता है।

निवेश नहीं, सुरक्षा है प्राथमिक उद्देश्य

इमरजेंसी फंड को निवेश के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसका उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर तुरंत उपलब्ध होना है। इसलिए इसे ऐसे विकल्पों में रखना बेहतर होता है जहां लिक्विडिटी बनी रहे और पैसा तुरंत निकाला जा सके। कई लोग ज्यादा रिटर्न के चक्कर में इसे शेयर बाजार या लंबी अवधि के निवेश में डाल देते हैं, जो गलत रणनीति हो सकती है। इमरजेंसी में समय सबसे अहम होता है, और ऐसे में देरी या नुकसान दोनों ही परेशानी बढ़ा सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश 57% घटा सिल्वर से भी लगातार निकासी

कमोडिटी ईटीएफ में कमजोरी के बीच निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में कमोडिटी आधारित निवेश विकल्पों में सुस्ती देखने को मिली है। गोल्ड ईटीएफ में जहां निवेश 57% घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया, वहीं सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने भी निकासी दर्ज की गई। यह ट्रेंड बताता है कि निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट के बावजूद लंबी अवधि में सोना अब भी एक मजबूत निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में समझदारी से और चरणबद्ध निवेश की जरूरत है।

गोल्ड ईटीएफ में इनफ्लो घटा, दिलचस्पी बरकरार

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी के 5,254 करोड़ के मुकाबले मार्च में गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया। यह 57% की बड़ी गिरावट है। हालांकि, यह ध्यान देने वाली बात है कि इनफ्लो पूरी तरह रुका नहीं है, बल्कि इसकी गति धीमी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार, साल की शुरुआत में तेज निवेश के बाद अब बाजार सामान्य स्थिति में लौट रहा है, जिससे नए निवेश में थोड़ी कमी आई है।

सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने निकासी

सिल्वर ईटीएफ में निवेशकों का भरोसा फिलहाल कमजोर होता दिख रहा है। मार्च में 683 करोड़ रुपये का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 826 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई थी। यह लगातार दूसरा महीना है जब निवेशकों ने सिल्वर से पैसा निकाला है। इसका मुख्य कारण सिल्वर की अधिक अस्थिरता और हालिया गिरावट मानी जा रही है।

कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन रहा कमजोर

मार्च महीने में कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन व्यापक रूप से कमजोर रहा। कुल 43 कमोडिटी ईटीएफ में से सभी ने नेगेटिव रिटर्न दिया।

सिल्वर ईटीएफ में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली

- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ: करीब 14.72% की गिरावट
- डीएसपी सिल्वर ईटीएफ: 13.96% की गिरावट
- आदित्य बिड़ला एसएल सिल्वर ईटीएफ: 13.85% की गिरावट
- जेरोधा सिल्वर ईटीएफ: 13.81% की गिरावट
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ: 13.81% की गिरावट
- अन्य सिल्वर ईटीएफ में भी 11% से 13.80% तक की गिरावट दर्ज की गई।

गोल्ड ईटीएफ भी दबाव में

गोल्ड ईटीएफ भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे। मार्च में 25 गोल्ड ईटीएफ में 7.17% से 9.54% तक का नेगेटिव रिटर्न दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि सोना, जिसे आमतौर पर सुरक्षित निवेश माना जाता है, वह भी मौजूदा बाजार परिस्थितियों में दबाव में रहा। लंबी अवधि में सोना अभी भी मजबूत विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही शॉर्ट टर्म में सोने में उतार-चढ़ाव बना रहे, लेकिन मिड और लॉन्ग टर्म में इसकी संभावनाएं अभी भी सकारात्मक हैं।

इसके पीछे प्रमुख कारण

- वैश्विक अनिश्चितता
- महंगाई का दबाव
- सुरक्षित निवेश की मांग
- ऐसे में निवेशक गिरावट के समय धीरे-धीरे निवेश (बाई ऑन डिप्स) की रणनीति अपना सकते हैं।

सिल्वर में निवेश: सतर्कता और रणनीति जरूरी

सिल्वर की प्रकृति सोने की तुलना में ज्यादा अस्थिर होती है। यही कारण है कि इसमें अचानक तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिलती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिल्वर में एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर है।

शॉर्ट टर्म में क्या रह सकता है ट्रेंड?

- रिपोर्ट्स के अनुसार, शॉर्ट टर्म में सोने की कीमतें एक सीमित दायरे में रह सकती हैं। इसके पीछे कारण हैं:
- अमेरिका में ब्याज दरों में स्थिरता
- मजबूत डॉलर
- ऊंची बॉन्ड यील्ड
- इन वजहों से सोने की कीमतों में करीब 5% तक का उतार-चढ़ाव संभव है।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति?

- गोल्ड में गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश करें
- सिल्वर में एकमुश्त निवेश से बचें
- एसआईपी या स्टैगर्ड तरीका अपनाएं
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं, लॉन्ग टर्म पर फोकस रखें

फिलहाल दबाव बना

मार्च 2026 के आंकड़े बताते हैं कि कमोडिटी ईटीएफ, खासकर गोल्ड और सिल्वर में फिलहाल दबाव बना हुआ है। हालांकि, यह गिरावट स्थायी नहीं मानी जा रही। सोना अभी भी लंबी अवधि के लिए एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में सावधानी और सही रणनीति के साथ निवेश करना जरूरी है। निवेशकों के लिए यह समय घबराने का नहीं, बल्कि समझदारी से कदम उठाने का है। सही रणनीति और धैर्य के साथ किया गया निवेश भविष्य में बेहतर रिटर्न दे सकता है।

फ्लेक्सी कैप फंड्स बने निवेशकों की पहली पसंद, पैसिव फंड्स में भी तेजी

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% बढ़कर 40,450 करोड़

- **फ्लेक्सी कैप फंड्स में सबसे ज्यादा 10,054 करोड़ का इनफ्लो**
- **पैसिव फंड्स में भी दिखाई दी 122 प्रतिशत तक की उछाल**

बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में म्यूचुअल फंड निवेश के रुझानों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% की तेज बढ़त के साथ 40,450 करोड़ तक पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत होते भरोसे का संकेत है। खासकर फ्लेक्सी कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरे, जबकि मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखा गया। इसके विपरीत, डेट और हाइब्रिड फंड्स से बड़ी मात्रा में निकासी हुई, जो बाजार में बदलती रणनीति को दर्शाती है। वहीं, कम लागत और पारदर्शिता के चलते इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ जैसे पैसिव फंड्स में निवेश में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। यह ट्रेंड साफ संकेत देता है कि निवेशक अब अधिक जागरूक होकर लॉन्ग टर्म ग्रोथ और बेहतर रिटर्न के लिए अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में निवेश के पैटर्न और भी स्पष्ट हो सकते हैं।

इक्विटी फंड्स में 56% की छलांग

मार्च महीने में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 40,450 करोड़ रुपये का इनफ्लो दर्ज किया गया, जो फरवरी के 25,977 करोड़ रुपये के मुकाबले 56% अधिक है। सालाना आधार पर भी इसमें 61% की बढ़त देखने को मिली, जो निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस उछाल के पीछे कई कारण माने जा रहे हैं जैसे बाजार में स्थिरता, लंबी अवधि के निवेश का बढ़ता ट्रेंड और एसआईपी के जरिए नियमित निवेश।

फ्लेक्सी कैप फंड्स ने मारी बाजी

इक्विटी फंड्स की 11 सब-कैटेगरी में से फ्लेक्सी कैप फंड्स सबसे आगे रहे। मार्च में इनमें 10,054 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का इनफ्लो दर्ज हुआ है। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह है कि ये बाजार की स्थिति के अनुसार लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में लचीलापन रखते हैं, जिससे जोखिम और रिटर्न का बेहतर संतुलन मिलता है।

मिडकैप-स्मॉलकैप फंड्स में भी दम

- स्मॉलकैप फंड्स : 6,263 करोड़ रुपये का इनफ्लो
- मिडकैप फंड्स : 6,063 करोड़ का इनफ्लो रुपये
- इन दोनों कैटेगरी में भी निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही। खासकर स्मॉलकैप फंड्स में 61% और मिडकैप में 51% की मासिक बढ़त दर्ज की गई, जो हाई-रिस्क, हाई-रिटर्न रणनीति की ओर इशारा करती है।

वैल्यू और फोकस्ड फंड्स में तेज ग्रोथ

- मंथली आधार पर
- वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्स: 196% वृद्धि
- फोकस्ड फंड्स: 169% वृद्धि
- हालांकि कुल इनफ्लो के मामले में वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्स सबसे नीचे रहे, जहां 2,155 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ईएलएसएस और डिविडेंड फंड्स से निकासी

- मार्च में कुछ इक्विटी कैटेगरी में निवेशकों ने मुनाफावसूली भी की:
- ईएलएसएस फंड्स: 437 करोड़ का आउटफ्लो
- डिविडेंड फंड्स: 59.21 करोड़ का आउटफ्लो
- संकेत देता है कि निवेशक टैक्स सेविंग या डिविडेंड आधारित रणनीतियों से हटकर ग्रोथ-ओरिएंटेड फंड्स की ओर बढ़ रहे।

डेट फंड्स से भारी निकासी

- 2.94 लाख करोड़ का आउटफ्लो, लिक्विड फंड्स सबसे ज्यादा प्रभावित
- मार्च में डेट म्यूचुअल फंड्स से कुल 2.94 लाख करोड़ की निकासी हुई, जो फरवरी के 42,106 करोड़ के रइनफ्लो उलट है।

सबसे ज्यादा निकासी इन कैटेगरी में

- लिक्विड फंड्स: 1.34 लाख करोड़ रुपये
- ओवरनाइट फंड्स: 40,227 करोड़ रुपये
- मनी मार्केट फंड्स: 29,206 करोड़ रुपये
- यह ट्रेंड अक्सर मार्च में देखा जाता है।

हाइब्रिड फंड्स में भी गिरावट

- मार्च में हाइब्रिड फंड्स से 16,538 करोड़ का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 11,983 करोड़ रुपये का इनफ्लो था।

इन कैटेगरी में आया पैसा?

- मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स : 5,212 करोड़ रुपये
- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स: हल्का पॉजिटिव इनफ्लो

सबसे ज्यादा निकासी

- आर्बिट्राज फंड्स : 21,113 करोड़ रुपये
- इक्विटी सेविंग्स फंड्स: 1,131 करोड़ रुपये
- यह दर्शाता है कि निवेशक कम-रिटर्न वाले या जटिल प्रोडक्ट्स से दूरी बना रहे।

खबर संक्षेप

किशोरी व विवाहिता से यौन शोषण का आरोप

सोनीपत। दो मामलों में किशोरी और विवाहिता के साथ यौन शोषण के आरोप सामने आए हैं। घटनाओं में पीड़िताओं की शिकायत पर संबंधित थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में सिविल लाइन थाना क्षेत्र की महिला ने पड़ोस में रहने वाले विवाहित युवक पर उनकी 15 साल की बेटी से दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने मार्च में उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म व छेड़खानी करने के साथ ही जान से मारने की धमकी दी। जिससे बेटी डरकर चुप रही।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, मामला दर्ज

गन्नौर। थाना बड़ी क्षेत्र में 20 वर्षीय युवती के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपित अभिनंदन ने 20 फरवरी से 8 अप्रैल के बीच उसके साथ कई बार संबंध बनाए। जब शादी की बात की तो आरोपित मुकर गया। दोनों मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और वर्तमान में बड़ी क्षेत्र में काम करते हैं।

अवैध हथियार सहित आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। थाना कुंडली पुलिस ने अवैध हथियार रखने और बेचने की फिराक में घूम रहे एक आरोपित को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक देशी पिस्तौल और छह जिंदा रौंद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपित की पहचान विक्रम उर्फ सोनू निवासी जोंटी, दिल्ली हाल निवासी गांव हलालपुर, जिला सोनीपत के रूप में हुई है।

शिक्षण को रोचक-प्रभावी बनाने के टिप्स दिए

गोहाना। विद्या भारती द्वारा संचालित गीता विद्या मंदिर, गोहाना में शनिवार को आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दक्षता वर्ग की प्रमुख पूनम पन्नू एवं विनिका के मार्गदर्शन में विभिन्न विषयों पर उपयोगी एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। शिक्षिका रजनी ने उनका सहयोग किया। प्राचार्य अश्वनी कुमार ने कहा कि दक्षता वर्ग का उद्देश्य शिक्षकों की कार्यकुशलता बढ़ाना तथा शिक्षण को अधिक प्रभावी और रोचक बनाना है।

महिलाओं को कानूनी अधिकार बताए

सोनीपत। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में कबीरपुर की चौपाल में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें महिला कानूनी अधिकार, लोक अदालत और कानूनी हेल्पलाइन जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। शिविर में मुख्य वक्ता के रूप में प्राधिकरण से एडवोकेट रेखा कौशल लीगल ऐड काउंसल मौजूद रहे।

मंड़ी के बाहर लग रहे जाम से चालक दुःखी

सोनीपत। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी ने शनिवार को 11वें दिन नई अनाज मंडी में किसान कष्ट निवारण केंद्र चलाकर किसानों से मुलाकात की और समस्याएं सुनी। इनेलो जिलाध्यक्ष कुणाल गहलावत ने कहा कि सरकार द्वारा लगाई बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी शर्तों से किसानों को फसल बेचने में भारी परेशानी हो रही है।

भक्ति गीत और सत्संग का उठाया लाभ

सोनीपत। महात्मा आशानन्द वधवा हिन्दू मंच सोनीपत के तत्वाधान में लक्ष्मी देवी गोसाईं धर्मशाला, सिक्का कॉलोनी सोनीपत में वार्षिकोत्सव, गायत्री महायज्ञ एवं वैशाखी पर्व समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान हरि चन्द स्नेही ने की, जबकि आचार्य संजय याज्ञिक ब्रह्मा और मुख्य प्रवक्ता के रूप में मौजूद रहे।

राजकीय कॉलेज में विदाई समारोह

गोहाना। बड़ौता राजकीय कालेज में स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह हुआ । समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. अनिल ग्रोवर ने दीप प्रज्वलित करके किया। विदाई समारोह में जतिन को मिस्टर फेयरवेल और सुमन को मिस फेयरवेल चुना गया।

महात्मा ज्योतिबा फुले चौक के सौंदर्यीकरण के लिए 11 लाख देने का ऐलान

समाज हित को समर्पित रहे ज्योतिबा फुले : डॉ. अरविंद

सहकारिता मंत्री और उनकी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने फुले की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

हरिभूमि न्यूज ⏭गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म-चिंतन और समाज हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने संस्थाओं, आंदोलनों के माध्यम से समाज मे जागृति लाने का काम किया। आज देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उनके दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ते हुए नारी सशक्तिकरण के विचार को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। शनिवार को गोहाना में खानपुर मोड स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले चौक पर सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, उनकी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले व प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि महात्मा फुले का जन्म भले एक साधारण परिवार में हुआ, लेकिन शुरुआती जीवन में आई चुनौतियां उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाई। उनका जीवन दर्शाता है कि मानव जीवन में भले ही कितनी परेशानी आएं, मेहनत कर ज्ञान हासिल करना चाहिए, ताकि समस्याओं का समाधान किया जा सके। डॉ. शर्मा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले का विचार था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि ऐसी शक्ति है जिसे सभी में साझा किया जाना चाहिए। समाज में लड़कियों और वंचितों के लिए उस समय स्कूल खोलने की बात कही, जब समाज के एक बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। कृष्ण , जयकिशन शर्मा, कृष्ण , नरेन्द्र , भूपेंद्र , संजय सैनी, खेमचंद सैनी, राजेन्द्र सैनी, सत्यनारायण सैनी व देवेन्द्र सैनी उपस्थित रहे।

गोहाना। ज्योतिबा फुले व सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए डॉ. अरविंद शर्मा व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

नई चीज सीखें व अनुसंधान के लिए प्रेरित हों

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने चौक के सौंदर्यीकरण के लिए स्वैच्छिक कोष से 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिक्षा और नारी सशक्तिकरण के उनके विचार को देश में बीते 11 सालों से लागू कर रहे हैं। आज केंद्र प्रदेश की भाजपा सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से ऐसा ऐसी व्यवस्था बना रही है जिसमें युवा सवाल पूछें, नई चीज सीखें और अनुसंधान के लिए प्रेरित हों।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले को नमन करते हुए कांग्रेसी पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

सामाजिक क्रांति के पुरोधा थे महात्मा फुले

- **कांग्रेस भवन में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई**

सोनीपत। जिला कांग्रेस कमेटी सोनीपत द्वारा कांग्रेस भवन में जिलास्तरीय महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद एवं वर्तमान प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष धर्मपाल मलिक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले सामाजिक क्रांति के पुरोधा थे। उनके द्वारा स्थापित किए गए आदर्श वर्तमान समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार एक दलित और पिछड़े समाज के व्यक्ति ने सामाजिक आडंबरों का विरोध कर सामाजिक ढांचे में सुधार करने का प्रयास किया और विपरीत परिस्थितियों में समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य किया। इस अवसर पर जिला ग्रामीण अध्यक्ष संजीव दहिया ने उपस्थित कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमें महापुरुषों के नक्शे कदम पर चलते हुए समाज उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए और आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श स्थापित करने चाहिए। प्रदेश प्रवक्ता राकेश सौदा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद महिला सशक्तिकरण और दलित उत्थान के लिए जो कार्य किए, ऐसे उदाहरण विश्व में विरले ही मिलते हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले के समाजोत्थान के कार्यों को रखा जाएगा याद : विनोद

खरखौदा। समाज सुधारक और महान विचारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती खरखौदा में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। ज्योतिबा फुले ट्रस्ट द्वारा हवन का आयोजन किया तथा उसके पश्चात उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को याद कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। अध्यक्षता ज्योतिबा फुले ट्रस्ट के प्रधान सीताराम सैनी ने की। खरखौदा नगरपालिका के चेयरमैन हीरालाल इंदौरा विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल और महात्मा ज्योतिबा फुले के समाज सुधार के कार्यों को प्रेरणादायक बताया। विनोद सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज में शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है।

महिलाओं के अधिकारों और शिक्षा के लिए किया था फुले ने संघर्ष : राजीव

महात्मा ज्योतिबा फुले को नमन करते भाजपा नेता राजीव जैन साथ में अन्य।

सोनीपत। नगर निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले को नमन करते युवाओं को प्रोत्साहित किया कि वे उनके आदर्शों व शिक्षाओं तथा संपूर्ण जीवन का अनुकरण कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका अदा करें। वे नई सब्जी मंडी चौक पर महात्मा फुले के जयंती समारोह में जनसमूह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। पार्षद हरिप्रकाश सैनी, मुकेश सैनी, महेंद्र सैनी अधिवक्ता, जय भगवान, अमित आदि मौजूद रहे।

गन्ने की फसल सिर पर रखकर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

- **शुगर मिल में कच्चे कर्मचारियों को हटाने के विरोध में प्रदर्शन**

सोनीपत शुगर मिल में कच्चे कर्मचारियों को हटाने के विरोध में कर्मचारियों ने जिला पार्षद संजय बड़वासनिया के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। संजय ने सिर पर गन्ने की फसल रखकर प्रशासन के खिलाफ रोष जताया। उन्होंने बताया कि गांव आना, जींद और कैथल शुगर मिल बंद होने के बाद वहां के करीब 80 पक्के कर्मचारियों को सोनीपत शुगर मिल में लगा दिया गया, जबकि ठेकेदार के माध्यम से लगे कच्चे कर्मचारियों को हटा दिया गया। संजय बड़वासनिया ने कहा कि ठेकेदार और प्रशासन कच्चे कर्मचारियों का शोषण कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर कर्मचारियों को रखा जाता है और बाद में बाहर कर दिया जाता है।

सोनीपत। विरोध प्रदर्शन करते हुए।

क्वेस्ट में आदित्य ने पाया चौथा स्थान

- **प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 24 हजार रुपये की स्कॉलरशिप भी मिली**

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

पानीपत स्थित पाइट में आयोजित पाइट क्वेस्ट 2026 : कॉलेज एडिशन में छोटू राम आर्य महाविद्यालय, सोनीपत के छात्र आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में डॉ. उर्मिल हुड्डा के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रदेश के लगभग सभी कॉलेजों से पहले राउंड में करीब 2000 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 500 विद्यार्थी दूसरे राउंड और 100 विद्यार्थी तीसरे राउंड के लिए चयनित हुए। अंतिम चरण में 6 टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें बीए फाइनल ईयर के छात्र आदित्य ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया।

सोनीपत। छोटूराम आर्य महाविद्यालय में विजेता विद्यार्थी के साथ प्राचार्य एवं अन्य।

उपलब्धि से प्रेरणा लेने का दिया संदेश

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आदित्य को पुरस्कार स्वरूप एक प्रिंटर और 24 हजार रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान की गई। महाविद्यालय लौटने पर प्राचार्य डॉ. जेएस फोर ने आदित्य को बधाई दी और अन्य विद्यार्थियों को भी इस उपलब्धि से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज की छात्राएं छाईं

- **राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में आधा दर्जन ने प्राप्त की पोजीशन**

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

हिन्दू गर्ल्स कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीवीएम गर्ल्स कॉलेजों की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत इंग्लिश डिक्लेमेशन, पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन, पॉट डेकोरेशन, पोस्टर मेकिंग, पेंटिंग तथा रंगोली जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने प्रतिभा व रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। संस्था के प्रधान डा. ओपी परुथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने विजेता को बधाई दी।

सोनीपत। विजेता छात्राओं के साथ प्राचार्या एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

अनुराधा को सांत्वना पुरस्कार

प्रतियोगिता में इंग्लिश डिक्लेमेशन में अनुराधा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन में अनुष्का ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि पॉट डेकोरेशन में पलक वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में अक्षिता ने तृतीय स्थान पाया। इसके अलावा पेंटिंग प्रतियोगिता में खुशी ने द्वितीय स्थान हासिल किया तथा रंगोली प्रतियोगिता में मुस्कान ने तृतीय स्थान प्राप्त कर किया।

सोनीपत बार एसो. चुनाव विवाद में अनिल ढुल का निर्वाचन रद्द

- **बैलेट बॉक्स छेड़छाड़ मामले में कार्रवाई कमल हुड्डा को नया प्रधान नियुक्त किया**

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के इलेक्शन ट्रिब्यूनल ने जिला बार एसो सोनीपत के चुनाव विवाद में अहम फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल ने पूर्व प्रधान अनिल ढुल के चुनाव को अवैध घोषित करते हुए रद्द कर दिया है। इसके साथ ही याचिकाकर्ता कमल हुड्डा को नए चुनाव होने तक बार एसो का प्रधान नियुक्त किया है। कमल हुड्डा ने इलेक्शन पिटीशन संख्या तीन वर्ष 2025 के माध्यम से अनिल ढुल के निर्वाचन को चुनौती दी थी। याचिका में मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाते इसे पारदर्शी नहीं माना था और पुनर्मतगणना की मांग खारिज होने का भी जिक्र था। मामले की सुनवाई के दौरान चुनाव रिकॉर्ड और खासकर बैलेट बॉक्स के साथ छेड़छाड़ की बात सामने आई।

हाईकोर्ट जाऊंगा

पूर्व प्रधान अनिल ढुल ने ट्रिब्यूनल के इस फैसले को एकतरफा और असंवैधानिक करार दिया है। उनका कहना है कि कार्यवाहक प्रधान को बीच में हटाने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। अनिल ढुल ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह वर्तमान कार्यवाहक प्रधान सोनू भारद्वाज के साथ मिलकर इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

खबर संक्षेप

शहर में सतनाम श्री वाहेगुरु के गूंजे जयकारे

सोनीपत। खालसा पंथ सजना दिवस (बैसाखी) के उपलक्ष्य में शनिवार को मॉडल टाउन स्थित गुरुद्वारा साहिब से नगर कीर्तन निकाला गया। पंज प्यारों की अगुवाई में बड़ी संख्या में साध-संगत नगर कीर्तन में शामिल हुई। शहरभर में सतनाम श्री वाहेगुरु के जयकारे गूंजे व बाजारों में उल्लास का माहौल नजर आया। नगर कीर्तन शहरभर के विभिन्न गुरुद्वारा साहिब से होते हुए रात करीब 10 बजे वापस गुरुद्वारा साहिब में संपन्न हुआ। शहर की सभी गुरुद्वारा साहिब प्रबंधन समिति की ओर से नगर कीर्तन का भव्य तरीके से स्वागत किया गया। नगर कीर्तन के दौरान कीर्तनी जत्थों ने खालसा पंथ की महिमा का गुणगान किया।

मेरठ में इंटर विवि बास्केटबॉल में अंकुश ने जीता ब्रांच

सोनीपत। हाल ही में मेरठ में आयोजित बास्केटबॉल इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में कॉलेज की छात्रा अंकुश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ब्रांच मेडल हासिल किया। कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्या गीता ने छात्रा का स्वागत करते हुए उसकी उपलब्धि की सराहना की। शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका डॉ. सुमन मान ने बताया कि यह प्रतियोगिता 24 से 28 मार्च तक स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ में आयोजित हुई थी। बीपीएड की छात्रा अंकुश की इस सफलता से कॉलेज और यूनिवर्सिटी का नाम रोशन हुआ है। टीकाराम एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान सुरेंद्र सिंह दहिया ने छात्रा को आशीर्वाद देते उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

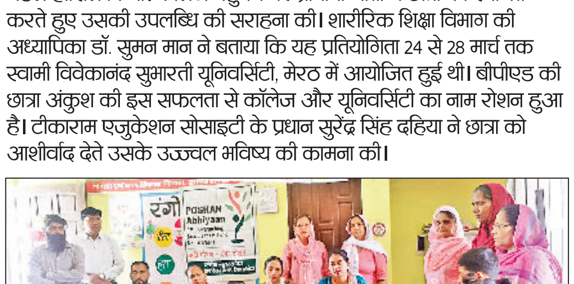

रेडीनेस मेले में बच्चों के समग्र विकास पर दिया जोर

खरखौदा। गांव आनंदपुर में शनिवार को प्ले स्कूल रेडीनेस मेला आयोजित किया गया। जिसका आयोजन सर्किल सुपरवाइजर सुदेश के नेतृत्व में किया गया। जिसमें गांव के प्रमुख व्यक्तियों, स्वास्थ्य और आंगनवाड़ी विभाग से जुड़े कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। मेले में गांव के सरपंच प्रहलाद, एएनएम सरोज, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर किरण, सीएचओ नवीन, एमपीएचडब्ल्यू नरेश कुमार, आशा वर्कर सुमनलता, आंगनवाड़ी वर्कर अनीता कुमारी और राजेश सहित गांव की अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को प्ले स्कूल की महत्ता के बारे में जागरूक किया गया।

ब्राइट स्कॉलर स्कूल में जनसंचार विषय पर कार्यशाला

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए जनसंचार विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत संसाधन व्यक्ति प्रोफेसर किशालय भट्टाचार्य के स्वागत, दीप प्रज्वलन और प्राचार्य के प्रेरक संबोधन के साथ हुई। प्रोफेसर किशालय भट्टाचार्य ने अपने व्याख्यान में बदलते मीडिया परिदृश्य, पत्रकारिता की भूमिका और इसमें करियर की संभावनाओं पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को अपनी संचार क्षमता बढ़ाने और नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित किया। ब्राइट टाइम्स टॉक शो भी आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन समन्वयक पूजा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रतिभा — पानीपत के सिवाह स्थित राजकीय विद्यालय में आयोजन

राज्यस्तर पर विज्ञान निबंध लेखन स्पर्धा में जिले की शगुन को मिला सांत्वना पुरस्कार

- **कक्षा 9वीं से 12वीं तक के जिलास्तरीय 10 विजेता विद्यार्थियों ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में लिया था भाग**
- **राज्य स्तर पर विद्यार्थियों ने नवाचार और अपनी वैज्ञानिक दृष्टि को लेखन के माध्यम से किया था प्रस्तुत**
- **अब जिले की छात्रा के सांत्वना पुरस्कार जीतने पर विभाग ने जीती गई राशि को देने के लिए मांगा विवरण**

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

राज्यस्तर पर विज्ञान निबंध लेखन प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार जीतकर कक्षा 12वीं की छात्रा शगुन ने जिले का नाम प्रदेश में रोशन किया है। हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद और विद्यालय शिक्षा निदेशालय के संयुक्त तत्वाधान में 18 दिसंबर 2025 को पानीपत के सिवाह स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राज्यस्तरीय विज्ञान निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसका परिणाम अब जारी किया गया है। उक्त प्रतियोगिता में छात्रा शगुन ने जिले के चयनित विभिन्न विद्यालयों के 10 विद्यार्थियों के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा को नवाचार व वैज्ञानिक दृष्टि से प्रदर्शित किया था। शगुन के राज्यस्तर पर सांत्वना पुरस्कार जीतने पर परिषद की ओर से सीधे उनके खाते में नकद राशि डाली जाएगी। साथ ही प्रमाण पत्र स्कूल में भेजा जाएगा। जिला शिक्षा विभाग की ओर से खंड स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करने के बाद जिले में अक्तूबर 2025 में जिलास्तरीय विज्ञान निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। उक्त प्रतियोगिता में सभी खंडों के विभिन्न स्कूलों के 150 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया था। प्रतिभा के आधार पर प्रतियोगिता में 10 विद्यार्थियों का राज्यस्तर के लिए चयन किया गया था। 18 दिसंबर 2025 में पानीपत में आयोजित राज्यस्तरीय विज्ञान निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रदेशभर से चयनित 220 विद्यार्थियों में से 160 ने भाग लिया था।

युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करना उद्देश्य

जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि युवाओं के मन में वैज्ञानिक सोच विकसित करने व विद्यार्थियों में रचनात्मक वैज्ञानिक लेखन प्रतिभा की खोज के उद्देश्य से राज्यस्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिलास्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यार्थियों ने राज्यस्तर पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। हालांकि 9 विद्यार्थी राज्यस्तर पर सफलता हासिल नहीं कर सके। छात्रा शगुन ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है।

खबर संक्षेप

बुलेट के पटाखे छोड़ने पर काटा 21 हजार का चालान

खरखौदा। यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार की टीम ने जांच के दौरान एक पटाखा छोड़ने वाली बुलेट मोटरसाइकिल को जब्त किया। जांच के दौरान बाइक चला रहा युवक वाहन के दस्तावेज पेश नहीं कर सका। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर पुलिस ने मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया और 21 हजार रुपये का चालान किया।

आग लगने से चटिया औलिया में जली फसल

गन्नौर। चटिया औलिया गांव में अज्ञात कारणों से किसान प्रदीप के खेत में आग लग गई। आग लगने की सूचना किसान ने दमकल विभाग को दी और अपने स्तर पर पास के किसानों के साथ आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन जब तक दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची तब तक किसान की खेत में खड़ी गेंहू की फसल जलकर राख हो गई। किसान प्रदीप ने बताया कि आग लगने के कारण उसकी करीब 3 एकड़ गेंहू की फसल व एक एकड़ की गेंहू के फास जलकर राख हो गए। किसान ने बताया कि आग लगने के कारण उसे लाखों रूपयें का नुकसान हुआ है।

मोई गांव में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

गन्नौर। गांव मोई के जंगल में शनिवार सुबह एक 32 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलने पर थाना गन्नौर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान मोई माजरी निवासी विकास के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार विकास शादीशुदा था और जेसीबी चलाने का काम करता था। स्वजनों ने बताया कि वह शुक्रवार शाम खाना खाकर घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटा। शनिवार सुबह जंगल में बकरी चरा रहे एक युवक की नजर पेड़ पर लटके शव पर पड़ी।

विभिन्न पार्कों में लगवाई जा रही ओपन जिम व बच्चों के लिए झूले

तंदुरुस्ती की राह पर शहरवासी होंगे अग्रसर, नए झूलों पर खिलेगा बचपन

1. नगर निगम ने कार्य पर खर्च की करीब 1.29 करोड़ रुपये की राशि
2. फिट इंडिया मूवमेंट मिशन के तहत पार्कों का करवाया जा रहा जीर्णोद्धार
3. ओपन जिम लगने से पुरुषों, महिलाओं और युवाओं सभी को मिलेगा लाभ

सोनीपत। आठ मरला स्थित पार्क में लगाई गई ओपन जिम व नए झूलों पर झूलते बच्चे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विभिन्न पार्कों में जिम का सामान लगने से शहरवासी शरीर को तंदुरुस्त बनाने की राह पर अग्रसर हो सकेंगे। साथ ही नए झूलों से बचपन खिलखिलाएगा। नगर निगम में लोगों की सुविधा के लिए वार्ड-12 के करीब 13 पार्कों में जिम का सामान व बच्चों के लिए नए झूले लगाने का काम शुरू कर दिया है। इन पार्कों में करीब 1.29 करोड़ रुपये की लागत से ओपन जिम यूनिट, बच्चों के लिए झूले व अन्य खेल उपकरण लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। पार्कों में ओपन जिम यूनिट लगने से युवाओं के साथ पुरुषों व महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी लाभ मिल सकेगा। साथ ही बच्चों के लिए लगाए जा रहे झूले पार्कों के साथ शहर की शोभा बढ़ाएंगे। नगर निगम ने सभी पार्कों में जून 2026 तक इस कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा है, ताकि लोगों को अपने आसपास संबंधित सुविधाएं मिल सकें।

विधायक मदान और मेयर ने किया था शुभारंभ

सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट मिशन के तहत पार्कों के जीर्णोद्धार करवाने का लक्ष्य रखा है। इसी उद्देश्य के साथ नगर निगम ने पार्कों के जीर्णोद्धार के साथ जिन पार्कों में ओपन जिम यूनिट व बच्चों के लिए झूलों का अभाव है, उसमें यह व्यवस्थाएं करवाने के लिए बजट तैयार कर अपना प्रस्ताव रखा था। बजट को मंजूरी मिलने के बाद पार्कों के जीर्णोद्धार के लिए विधायक निखिल मदान व नगर निगम निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने 5 जनवरी को नारियल तोड़कर कार्यों का शुभारंभ किया था। साथ ही अधिकारियों व ठेकेदार को पार्कों में जल्द ओपन जिम यूनिट व बच्चों के लिए झूले लगाने के निर्देश दिए गए थे।

जीवनशैली में बदलाव लाना उद्देश्य

फिट इंडिया मूवमेंट मिशन देशभर में चलाया गया राष्ट्रव्यापी अभियान है। जिसका उद्देश्य लोगों की जीवनशैली में शारीरिक व स्वास्थ्य रूप से बदलाव लाना है। इसी उद्देश्य को लेकर शहर के पार्कों का सुधार किया जा रहा है। अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 29 अगस्त 2019 को राष्ट्रीय खेल दिवस पर नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम से की थी। यह अभियान तभी सफल होगा, जब प्रत्येक जन को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सकेगा।

इन पार्कों की हो रही कायाकल्प

- एकता पार्क, आठ मरला
- लेडिज पार्क, मॉडल टाउन
- इंदिरा पार्क, इंद्रपुरी
- दीवान पार्क, मॉडल टाउन
- एटलस पार्क, मॉडल टाउन
- डबल स्टोरी क्षेत्र के दो पार्क
- लाल बहादुर शास्त्री पार्क, आठ मरला
- नारी शक्ति पार्क, मॉडल टाउन
- फ्रेंडस पार्क, मॉडल टाउन
- जैश पार्क, मॉडल टाउन
- वैक्सन कॉलोनी स्थित पार्क
- चिल्ड्रन पार्क, मॉडल टाउन

लोगों को मिलेगी सुविधाएं

नगर निगम की ओर से जल्द फिट इंडिया मूवमेंट मिशन के तहत वार्ड-12 के विभिन्न पार्कों का जीर्णोद्धार करवाया जा रहा है। जिन पार्कों में ओपन जिम यूनिट, बच्चों के लिए झूले व अन्य खेल उपकरणों का अभाव है, वहां जल्द ही यह व्यवस्थाएं दुरुस्त करवाई जा रही हैं। कुछ पार्कों में जिम व झूले लगाने का काम पूरा कर लिया गया है। शेष पार्कों का भी जल्द जीर्णोद्धार होने से लोगों को सुविधाएं मिलेंगी।

-अजय निराला, एक्सईएन, नगर निगम, सोनीपत

गोहाना। शिक्षकों को प्रशिक्षित करते प्रशिक्षक। फोटो : हरिभूमि

शिक्षकों को साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

गोहाना। सीबीएसई द्वारा शनिवार को शहर में गुढ़ा मार्ग स्थित जेकेआर पब्लिक स्कूल में साइबर सुरक्षा विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शिक्षकों को साइबर सुरक्षा को लेकर विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के एमडी राजबीर राठी ने की और संयोजन प्राचार्य महेन्द्र पाराशर का रहा। कार्यशाला में सीबीएसई रिसोर्स पर्सन गुंजन जैन और अंजू बाला ने शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। गुंजन जैन ने कहा कि साइबर सुरक्षा कंप्यूटर, सर्वर, नेटवर्क और डेटा को दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने की प्रक्रिया है। आज के डिजिटल युग में हमें व्यक्तिगत और सामाजिक सुरक्षा के लिए साइबर सुरक्षा संबंधित जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। यह हमें फिशिंग, रैनसमवेयर और डेटा चोरी जैसे खतरों से सुरक्षा प्रदान करती है। कार्यशाला में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालय के 60 शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। प्राचार्य ने वक्ताओं को स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित किया।

गन्नौर। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

रौनक पब्लिक स्कूल में आंबेडकर जयंती और बैसाखी पर विशेष प्रार्थना सभा

गन्नौर। रौनक पब्लिक स्कूल में आंबेडकर जयंती और बैसाखी के उपलक्ष्य में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने समाचार वाचन कर देश-दुनिया की जानकारी दी। बैसाखी पर्व के महत्व पर भाषण प्रस्तुत करते हुए इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पक्ष पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद कविता पाठ और सांस्कृतिक नृत्य ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया।आंबेडकर जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों ने डा. भीमराव आंबेडकर के जीवन, संघर्ष और योगदान पर विचार रखे। साथ ही एक नाटिका के माध्यम से सामाजिक समानता और शिक्षा का संदेश दिया गया। प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने विद्यार्थियों को आंबेडकर के आदर्शों पर चलने और शिक्षा के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

चिकित्सा शिविर समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में अहम : बंसल

- विश्व होम्योपैथी दिवस पर लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत के देव नगर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर कम्युनिटी सेंटर में विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर आयुष विभाग, सोनीपत की ओर से निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी अरुण बंसल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। यह शिविर होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनेमैन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में लगाया गया। शिविर में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच करवाई और निःशुल्क दवाइयों का लाभ उठाया। मुख्य अतिथि अरुण बंसल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के चिकित्सा शिविर समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मौके पर जिला आयुष अधिकारी राम अवतार सिंह, आयुष विभाग पंचकुला के महानिदेशक संजीव वर्मा, पुनीत गांधी, रुचिता, विनीत, सुशील, नीरज, मुदिता, संदीप, आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर्स अंजू, तृप्ति और दीक्षा सहित अन्य मौजूद रहे।

आंबेडकर का जीवन राष्ट्र के लिए प्रेरणापुंज : दीवान

- कांग्रेस भवन में आंबेडकर जयंती की तैयारियां तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते कांग्रेस के शहरी अध्यक्ष, ग्रामीण अध्यक्ष एवं अन्य।

संविधान निर्माता भारत रत्न डा. भीम राव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को जिला स्तर पर आयोजित की जाएगी। इसकों लेकर कांग्रेस ने तैयारी तेज कर दी हे। शुक्रवार को सुभाष चौक स्थित कांग्रेस भवन में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की संयुक्त अध्यक्षता शहरी जिला अध्यक्ष कमल दीवान और ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया ने की। बैठक में शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने कहा कि डा. बीआर आंबेडकर का जीवन और उनके आदर्श न केवल दलित समाज बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणापुंज हैं। कांग्रेस पार्टी उनकी जयंती को पूरे जिले में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विशेष संगोष्ठी और माल्यार्पण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी को बाबा साहब के संघर्षों और संविधान की महत्ता से रूबरू कराया जा सके। हरियाणा कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी को कार्यक्रम की जिम्मेदारी दी गई।

कार्यकर्ताओं की लगाई ड्यूटियां

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन स्तर पर कार्यकर्ताओं की विशेष ड्यूटियां लगाई गई हैं। ग्रामीण अध्यक्ष संजीव दहिया ने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक और वार्ड स्तर से कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर लोगों को इस आयोजन का निमंत्रण दें। कांग्रेस भवन में हुई इस बैठक में मुख्य रूप से जयभगवान आंतिल समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर जिले के प्रमुख कांग्रेस पदाधिकारी, पार्षद एवं विभिन्न फ्रंटल संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में 14 अप्रैल के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

करियर काउंसलिंग सेशन आज, 12वीं के विद्यार्थियों को मिलेगी सही दिशा

- 12वीं के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी

गन्नौर। छात्रों को करियर के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एसआरके स्किल सेंटर, गन्नौर द्वारा आज रविवार को विशेष करियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से 12वीं पास विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे अपने भविष्य को लेकर सही निर्णय ले सकें और भ्रम की स्थिति से बाहर निकल सकें। संस्थान के निदेशक जोगेन्द्र ने बताया कि इसमें करियर एक्सपर्ट डॉ. मोहित बंसल एवं उनकी टीम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे विद्यार्थियों को 12वीं के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी देंगे।

सोनीपत। धरने पर बैठे अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के सदस्य।

दमकल कर्मियों ने कल तक बढ़ाई हड़ताल

सोनीपत। फरीदाबाद अग्निकांड में मारे गए कर्मचारियों के समर्थन में हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की राज्यस्तरीय हड़ताल चौथे दिन भी जारी रही। यूनियन की ओर से राज्यस्तरीय हड़ताल को अब 13 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। नगर निगम कार्यालय में शनिवार को पे-रोल व कौशल दमकल कर्मियों का धरना जारी रहा। जिसकी अध्यक्षता जिला सचिव अमित दहिया व मंच संचालन वरिष्ठ उपप्रधान वीरेंद्र ने किया। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने सरकार के रवैये के खिलाफ नाराजगी जताई। जिला प्रधान राजीव खत्री व पूर्व प्रधान संदीप तूर ने बताया कि प्रदेशभर के दमकल कर्मचारियों की हड़ताल जारी है। यूनियन की प्रमुख मांग है कि फरीदाबाद की फैक्टरी में आग बुझाते समय शहीद हुए कर्मियों को शहीद का दर्जा दिया जाए, उनके आश्रितों को एक करोड़ रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को पक्की सरकारी नौकरी व सभी नियमानुसार सुविधाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगों का समाधान नहीं किया तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह में 327 छात्राओं को दी डिग्रियां

गोहाना। राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना का शनिवार को 45वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न संकायों की 327 छात्राओं को डिग्रीयां प्रदान की गई। अतिथियों और शिक्षकों ने छात्राओं को सफलता का आशीर्वाद दिया। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी सांगवान ने की और संयोजन उप प्राचार्य सतीश कुमार का रहा। मुख्य अतिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के चेयरमैन शिक्षाविद् डॉ. पवन शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मास्टर डिग्री के बाद आप अपने विवेक से फैसला लेने की हकदार हो गए हैं। जीवन में किसी भी प्रकार की चुनौतियों को समझना तथा उसका समाधान करना तथा आत्मनिर्भर बनना ही आपका लक्ष्य है। वर्तमान में प्रदेश की बेटियां हमें हर सेक्टर में अग्रिम पंक्ति में खड़ी नजर आती हैं। बेटियों का कौशल हमारा गौरव बढ़ता है। प्रो. शमशेर भंडेरी के निर्देशन में एनसीसी की छात्राओं ने अपने परम्परागत अंदाज में मुख्य अतिथि का स्वागत किया। समारोह का संचालन शिक्षिका रेखा ने किया।

गोहाना। अतिथियों का सम्मान प्रकट करते हुए प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी सांगवान।

गन्नौर। कालेज में फेयरवेल कार्यक्रम के दौरान अपने-अपने सैश पहनकर खड़ी छात्राएं।

सीसीएएस जैन गर्ल्स कॉलेज में अंतिम वर्ष की छात्राओं को दी भावभीनी विदाई

गन्नौर। सीसीएएस जैन गर्ल्स कालेज में शनिवार को फेयरवेल पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अंतिम वर्ष की छात्राओं को भावभीनी विदाई दी गई। कालेज प्राचार्य डा. मनोज कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विदा ले रही छात्राओं को जीवन में आगे बढने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने नृत्य, संगीत, नाटक और फैशन शो के माध्यम से रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिसने सभी का मन मोह लिया। फेयरवेल में बीए छठे सेमेस्टर की अंशिका को मिस फेयरवेल, बीकाम की अंतिम को मिस दिवा, खुशी और प्रियंका को मिस गार्जियस, मानसी को मिस एलिगेंट तथा बीएससी की नेहा को विशेष खिताब से सम्मानित किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्यक्रम ‘गांव चलो, बस्ती चलो’ अभियान के तहत ग्रामीणों से किया संवाद

सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना दायित्व

डॉ आंबेडकर के समाज उत्थान के विचार को मजबूती के साथ आगे बढ़ाएं : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। डॉ. अरविंद शर्मा व डॉ. रीटा शर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए।

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भाजपा सेवा ही संगठन के विचार के साथ आगे बढ़ रही है। प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व बनता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व सरकार की योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचाने के लिए घर-घर जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के समाज उत्थान के विचार को मजबूती के साथ हमें आगे बढ़ाना है। शनिवार को सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के तहत गोहाना विधानसभा के गांव बड़वासनी, गांव गढ़ी हकीकत, गांव सलारपुर माजरा में पहुंचकर ग्रामीणों संग संवाद किया। उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को कांग्रेस ने सम्मान देने से परहेज किया।

गांवों को दी लाखों के विकास कार्यों की सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से देश के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न उपाधि से नवाज कर जन-जन को उनके विचारों पर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मस्थान महू, दीक्षा भूमि नागपुर, जहां रहकर काम किया 26 अलीपुर रोड व उनके अंतिम संस्कार स्थान को पंच तीर्थ के तौर पर विकसित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जहां कांग्रेस शासन के दौरान उन्हें दो गज जमीन मुहैया नहीं करवाई गई, वहां वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा इंदू मिल की 12 एकड़ जमीन देने का काम किया। मंत्री ने गांव बड़वासनी में हरिजन चौपाल के लिए 11 लाख रुपए, वाल्मीकि चौपाल के लिए 11 लाख रुपए, ब्राह्मण चौपाल के लिए 11 लाख रुपए और रविदास मंदिर में विकास कार्यों के लिए 2 लाख रुपए जबकि गांव गढ़ी हकीकत में विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा की। इस अवसर पर डॉ. रीटा शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, बिजेन्द्र मलिक, विनोद भौरिया, प्रदीप बड़वासनी, जिला महामंत्री जितेंद्र शर्मा व महेंद्र चिड़ाना, नरेन्द्र गहलावत और सोनिया दहिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

विशेषः विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में हैः पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकारः** जमुना बीनी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

{ पर्यटन स्थल / समीर चौधरी }

वैसे तो समुद्र तट का नैसर्गिक नजारा हर नेचर लवर को आकर्षक लगता ही है। लेकिन दुनिया के कुछ समुद्र तट इतने विशाल-लाजवाब हैं कि दूर-दूर से पर्यटक इन्हें निहारने आते हैं। शांत, खुले तट से लेकर स्थानीय जीवन से भरे हुए ये समुद्र तटीय क्षेत्र प्रकृति को अपने सबसे प्रभावी रूप में पेश करते हैं। ऐसे ही कुछ खूबसूरत और विशाल सी बीचेज के बारे में आप भी जानिए।

लाजवाब-खूबसूरत नजारा पेश करते
दुनिया के ये समुद्र तट

प्राया डो कैस्सिनो ब्राजील

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के दक्षिणी तट पर प्राया डो कैस्सिनो, दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, जो लगभग 254 किमी. तक फैला हुआ है। इसकी प्रभावी लंबाई रिओ ग्रांडे बंदरगाह से शुरू होकर उरुग्वे की सीमा तक जाती है। यह क्षेत्र अपने दूर तक फैले रेत, समुद्र के किनारे जीवंत शहरों और अकसर समुद्र के किनारे धूप सेंकते सी लायंस की मौजूदगी के लिए विख्यात है। यह सी बीच, स्थानीय लोगों की पसंदीदा जगह है, जहां लोग लांग ड्राइव, तटीय फिशिंग और ठंडी हवा में वॉक करना खूब पसंद करते हैं। *

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में स्थित है, जो 151 किमी. में फैला हुआ है और व्यस्त शहरी जीवन के विपरीत सुकून और शांति भरे लम्हों का यादगार अनुभव प्रदान करता है। इसका तट ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कभी खत्म ही न होगा। तट के बीच-बीच में रेत के टीले, छोटी झीलें और संरक्षित वाटर रिजर्व आपको देखने को मिल जाएंगे। तट का पानी एकदम स्वच्छ है, जिससे तैराकों और मछुआरों के लिए यह पसंदीदा स्थल बन जाता है। हालांकि इसका नाम नाइंटी माइल है लेकिन इसके विपरीत यह 90 मील से अधिक लंबा है। इसके शांतिपूर्ण एकांत में गजब का आकर्षण है। *

पद्रे सी आईलैंड बीच अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में टेक्सास के तट पर पद्रे द्वीप है, जोकि संसार का सबसे लंबा बैरियर द्वीप है। यह वन्यजीवों का अभयारण्य है, जिसमें दुर्लभ सी टर्टल और समुद्री पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। पद्रे आइलैंड नेशनल सी-शोर लगभग 112 किमी. लंबा है। इस बीच को नम हवा भरे वातावरण और वन्यजीवों के कारण विशेष रूप से पसंद किया जाता है। पर्यटक अकसर यहां कैंपिंग करने, पक्षियों को देखने और खाड़ी के किनारे वाक के लिए आते हैं। *

कॉक्स बाजार सी बीच बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थित कॉक्स बाजार बीच पर अकसर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि यह संसार के सबसे लंबे प्राकृतिक समुद्र तटों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में इस तट की लंबाई 120 किमी. है। इसके तट पर अनोखी चट्टानें, मुलायम रेत और जीवंत स्थानीय संस्कृति के दर्शन होते हैं, जो फिशिंग और पर्यटन के लिए फेमस हैं। जब दूर इसके क्षितिज में सूरज पानी में डूबता दिखता है, तो पूरा बीच दिल को अनोखा सुकून देने वाले रंगों से चमक उठता है। *

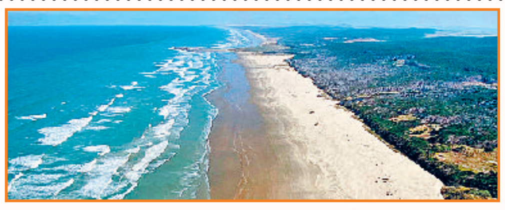

नाइंटी माइल बीच न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट का नाम भी नाइंटी माइल बीच है, लेकिन इसकी लंबाई 88 किमी. है, जो इसके नाम से दो किलोमीटर कम है। अपनी अनोखी सुंदरता से यह पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि अतीत में इसे हॉर्स राइडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अब इसे एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए यूज किया जाता है। यहां मौजूद सरफिंग स्पेस और रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले इसे बहुत आकर्षक बना देते हैं। *

बैंकूवर द्वीप लांग बीच कनाडा

कनाडा के बैंकूवर द्वीप के पश्चिमी तट पर लांग बीच स्थित है। यह सिर्फ 16 किमी. लंबा है, जिससे यह काफी छोटा सी बीच माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के सबसे सुंदर सी बीच में शामिल है। इसके दूर तक फैले समतल रेतीले समुद्र तट सभी को आकर्षित करते हैं। यह बीच कनाडा के संरक्षित राष्ट्रीय पार्क का हिस्सा है। यह बीच कोहरे भरी सागर तटीय सुबह और सरफिंग के लिए विख्यात है। *

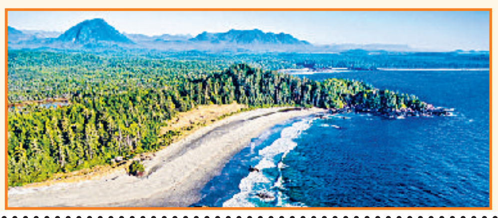

अपनाएं ये गोल्डेन रूल्स
संवारें अपना सुनहरा भविष्य

सुनहरे भविष्य के लिए उचित दिशा में सही सही रणनीति के साथ मेहनत करना तो जरूरी है ही। साथ ही अगर कुछ गोल्डेन रूल्स को फॉलो किया जाए तो सफलता पाने की राह आसान हो जाएगी। ऐसी ही कुछ छोटी बातें आप भी अपने जीवन में अपना सकते हैं।

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन }

कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद हमें वे परिणाम नहीं मिल पाते, जो हम चाहते हैं। विश्व प्रसिद्ध विचारकों के अनुभव बताते हैं कि सफलता का असली राज हमारी सोच, कर्मठता और भावनाओं में छिपा होता है। हम अपने भाग्य के स्वयं विधाता हैं। यदि हम अपनी आंतरिक भावनाओं को सुधार लें, तो बाहरी परिस्थितियां अपने आप बदलने लगती हैं।

पहचानें अपनी भावनाएं: हमारी भावनाएं और वाइब्रेशंस हमारे जीवन के अनुभवों को निर्धारित करती हैं। हम जो महसूस करते हैं, वही हम अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर हम सकारात्मक भावनाओं (जैसे खुशी, प्रेम, उत्साह) पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक भावनाएं (जैसे डर, गुस्सा, निराशा) नकारात्मक अनुभवों को आकर्षित करती हैं।

जब तक हम अपने लक्ष्य के प्रति उत्साहित महसूस नहीं करेंगे, तब तक वह हकीकत नहीं बनेगा। बेस्ट सेलर पुस्तक 'एक्सक्यूज मी, योर लाइफ इज वेटिंग' की लेखिका लिन ग्रैबहॉर्न कहती हैं, 'ब्रह्मांड में हर चीज एक ऊर्जा या फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। यदि आप लगातार डर, चिंता या कमी के बारे में महसूस करते हैं, तो आप अनजाने में वैसी ही स्थितियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे होते हैं। अपनी फ्रीक्वेंसी बदलने का मतलब है, अपनी आंतरिक स्थिति को बदलना।'

कमी के बजाय संभावनाओं पर ध्यान दें: ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके पास क्या 'नहीं' है। अनुभवी और सफल लोगों का कहना है कि आप जिस चीज पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, वह बढ़ती जाएगी। यदि आप अपनी समस्याओं के बजाय समाधान और संभावनाओं पर ध्यान देंगे, तो आपके जीवन में खुशहाली के द्वार खुलेंगे। इसलिए सकारात्मक भावनाओं को महसूस करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना को अभी से महसूस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप धन चाहते हैं, तो धनी होने की खुशी और आत्मविश्वास को महसूस करें। विश्वास रखें कि ब्रह्मांड आपके इरादों को साकार करने में मदद करेगा।

दबाव में न आएं: जब हम किसी चीज के लिए बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो हम अकसर दबाव महसूस करते हैं। यह दबाव नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसके बजाय, ऐसा महसूस करें जैसे वह लक्ष्य पूरा होने ही वाला है बस, जरा-सी कोशिश और करनी है। यह सहजता ही आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। नेपोलियन हिल कहते हैं, 'इंसान का दिमाग जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास कर सकता है, उसे वह हासिल भी कर सकता है।'

आभार का जादू इस्तेमाल करें: आभार का जादू केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'कॉस्मिक टूल' है। जो आपके पास है, उसके लिए आभारी होना आपकी वाइब्रेशन को तुरंत 'उच्च स्तर' पर ले जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मैस्टर एकहार्ट के अनुसार, 'यदि आप अपने पूरे जीवन में केवल एक ही प्रार्थना करते हैं, 'धन्यवाद' तो यही काफी है।' यह साधारण सा शब्द आपके जीवन में अधिक आशाओं और अच्छी चीजों को आमंत्रित करता है।

'एक्सक्यूज मी' कहना सीखें: अकसर हम दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी मानसिक शांति दांव पर लगा देते हैं। लेकिन उन चीजों या लोगों को 'एक्सक्यूज मी' कह कर आगे बढ़ जाना जरूरी है, जो आपकी ऊर्जा को सोख लेते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो न दें। स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि आपकी वेल बीइंग के लिए जरूरी है।

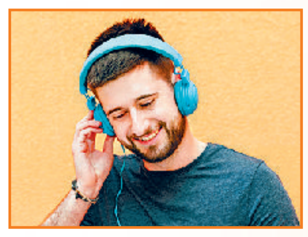

पहचानें आप क्या चाहते हैं: अपने जीवन में उन चीजों को पहचानें जो आपको पसंद नहीं हैं या जो आपको परेशान करती हैं। इससे आपको स्पष्टता मिलती है कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। साथ ही यह भी तय करें कि आप क्या नहीं चाहते हैं। स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करें कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहते हैं, जैसे खुशी, सफलताएं या बेहतर रिश्ते। जिन चीजों से परेशानी होती है और ऊर्जा नष्ट होती है, उनसे दूर रहना सीख लीजिए।

छोटी-छोटी खुशियों का महत्व समझें: बड़ा बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाना जरूरी नहीं है। कभी-कभी एक अच्छा संगीत सुनना, प्रकृति में टहलना या किसी पुराने मित्र से बात करना भी आपकी मानसिक ऊर्जा को बदल सकता है। यही छोटे चुनाव बड़े परिणामों की आधारशिला रखते हैं। हर छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें, उत्साहित हों। *

{ नदीगाथा / वीना गौतम }

थार मरुस्थल की जीवनरेखा लूनी नदी

अरावली पर्वतमाला में अजमेर के पास स्थित नाग पर्वत से निकलने वाली लूनी नदी, एकमात्र ऐसी नदी है, जो थार के मरुस्थल से होकर बहती है। यह भारत की सबसे बड़ी और अकेली अंतःस्थलीय (इनलैंड) नदी है यानी यह नदी समुद्र तक नहीं पहुंचती बल्कि कच्छ के रण में ही विलीन हो जाती है। इसे थार के मरुस्थल की जीवनरेखा कहते हैं, जो भले सीमित जल संसाधन की मालिक हो, लेकिन इसी की बदौलत थार मरुस्थल में जैव विविधता मौजूद है यानी लूनी नदी रेगिस्तान में बहने वाली ऐसी नदी है, जिसके आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद संवेदनशील और अनूठा है।

नदी की विशिष्टताएं: लूनी इस नदी की लंबाई कुल 495 किलोमीटर है और अपनी प्रकृति के हिसाब से ये मौसमी नदी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात में कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी नदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस नदी का शुरुआती सिरा मीठे पानी का और अंतिम सिरा खारे पानी का है। इस मामले में शायद यह दुनिया की ऐसी खास नदी है, जो एक साथ मीठी और खारी दोनों है। अंतःस्थलीय लूनी नदी को अजमेर के पास सागरमती कहा जाता है। करीब 150 किलोमीटर बहने के बाद इसे लवणी या लूणी कहा जाने लगता है। यह पूरी तरह से वर्षा आधारित यानी (रेन फेड) नदी है। इसके बहाव का मुख्य भाग राजस्थान में है और अंतिम भाग गुजरात में है।

मानसून आधारित नदी: मौसमी नदी लूनी, दक्षिण-पश्चिम मानसून पर आधारित है। इसका प्रवाह जुलाई से सितंबर के बीच रहता है, जिसमें शुरू में तेज बहाव होता है, यहां तक कि कई जगहों में यह बाढ़ का कारण भी बनती है। लूनी नदी की खासियतों में एक यह भी है कि यह नदी पूरी तरह से वर्षा से प्रभावित नदी है। अगर जरा भी बारिश अनियमित होती है, तो यह भी अनियमित हो जाती है।

कुछ हिस्सा है खारा: निचले छोर यानी जालोर से कच्छ के बीच इस नदी का पानी खारा हो जाता है। क्योंकि यहां यह रेतीले मैदानों और दलदली क्षेत्र में होकर गुजरती है। भले यह गंगा और यमुना जैसी सांस्कृतिक और सभ्यतामूलक नदी धारा के रूप में न पहचानी जाती हो, लेकिन इसके किनारे भी सभ्यता के कुछ विशेष रूप जन्मे हैं और कुछ राजस्थानी शहर भी इसके किनारे स्थित हैं- जैसे अजमेर, पाली, जोधपुर। *

आज युवाओं के लिए सनग्लासेज एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो उन्हें धूप से बचाने के साथ ही उनकी पर्सनालिटी को अपग्रेड भी करती है। यह डिजिटल-रियल दोनों दुनिया में यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को समर स्वैग देती है।

अट्रैक्टिव सनग्लासेज बढ़ा दे
यंगस्टर्स का समर स्वैग

{ सीजनल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा }

गर्मी शुरू होते ही सिर्फ तापमान नहीं बढ़ता बल्कि युवाओं का फैशन मीटर भी हाई हो जाता है। कॉलेज कैंपस, कैफे, मॉल, ट्रैवल स्पॉट, हर जगह एक खास तरह की स्टाइल एनर्जी देखने को मिलती है। उनके इस समूचे 'समर स्वैग' को किसी एक एक्सेसरीज के जरिए व्यक्त करना हो, तो वो है-सनग्लासेज।

सनग्लासेज या धूप का चश्मा सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से बचने भर का जरिया नहीं रह गया है बल्कि अब यह एक ऐसी पहचान बन चुका है, जो यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को गर्मियों का खास लुक देता है।

एटीट्यूड का हिस्सा: एक समय तक सनग्लासेज को गर्मी के मौसम की एक जरूरत माना जाता था, आंखों को धूप से बचाने के लिए लेकिन अब यह एक एटीट्यूड एक्सेसरीज बन चुका है। जैसे ही कोई सनग्लास पहनता है, उसकी बॉडी लैंग्वेज बदल जाती है। थोड़ा आत्मविश्वास, थोड़ा रहस्य और थोड़ा 'मैं सबसे अलग हूं' का भाव उसकी पर्सनालिटी में आ जाता है। इंस्टाग्राम रील से लेकर कॉलेज फेस्ट तक अगर किसी एक एक्सेसरीज पर सबसे ज्यादा जोर दिखता है, तो वह है सनग्लास। यही कारण है कि सनग्लासेस को यंगस्टर्स के एटीट्यूड का सबसे खास हिस्सा माना जाता है।

सोशल मीडिया का बड़ा रोल: आज के दौर का फैशन सिर्फ सड़क या कॉलेज में दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि सच बात तो यह है कि वह बाकी किसी भी जगहों से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए होता है। गर्मी के दौरान सनग्लासेज, डिजिटल फैशन का सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट बन जाता है। चेहरे पर सनग्लास लगी सेल्फी ज्यादा शार्प होती है, इसमें आंखों का एक्सप्रेशन कंट्रोल किया जा सकता है। सनग्लास की वजह से एक कूल और कंट्रोल्ड इमेज बनती है। यही कारण है कि युवाओं के सनग्लास सिर्फ पहनने की चीज नहीं बल्कि कंटेंट क्रिएशन का टूल बन चुका है।

फैशन+परफेक्शन=परफेक्ट समर कॉम्बो: गर्मी के मौसम में जहां एक तरफ स्टाइल जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ आसमान से बरसती आग से बचना भी जरूरी है। इसलिए सनग्लासेज इस मौसम के लिए सबसे परफेक्ट कॉम्बो एक्सेसरीज माने जाते हैं। सनग्लासेज इस बैलेंस को सचमुच परफेक्ट बनाते हैं, क्योंकि इनसे- तेज धूप से आंखों की सुरक्षा संभव होती है। पसीने और थकान में भी फ्रेश लुक बनी रहती है। ट्रैवल के दौरान आरामदायक विजन मिलता है यानी यह एक्सेसरीज सिर्फ दिखने के लिए नहीं बल्कि जीने के तरीके को भी आसानी से बदल देती है।

कई वैरायटीज में उपलब्ध: सनग्लासेस आज एक्सेसरीज में बदल चुके हैं। अब ये टिंटेड लैंस यानी ब्लू, यलो और पिंक कलर में भी उपलब्ध हैं। आज बाजार में सनग्लासेज बोल्ड और ड्रामेटिक दिखने वाले ओवरसाइज्ड फ्रेम में भी मौजूद हैं। सनग्लासेज वो एक्सेसरीज हैं, जिसे युवा सबसे ज्यादा एक्सप्लोर करते हैं, क्योंकि इनके जरिए अब हर चेहरा अपना एक अलग स्टाइल कैरी कर सकता है। *

{ बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश }

बॉलीवुड फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स यानी खलनायकों को भले ही हीरो जैसा स्टारडम नहीं मिलता लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी भी मायने में नायकों से कम नहीं होती है। कुछ एक्टर्स तो आज भी याद किए जाते हैं। ऐसे ही कुछ बेहतरीन खलनायकों पर एक नजर।

नायकों से कम पॉपुलर नहीं
बॉलीवुड के ये खलनायक

प्राण

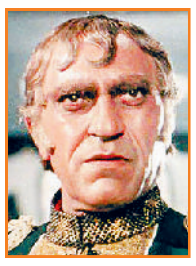
अमरीश पुरी

अमजद खान

प्रेम चोपड़ा

अपने शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे खलनायक यानी विलेन हुए हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। दर्शकों को सांस रोककर 'अगले पल क्या होगा?' सोचने को मजबूर कर दिया, इन्हें खौफ का पर्याय माना जाने लगा। 'प्रेम नाम है मेरा-प्रेम चोपड़ा।', 'अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे?', 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है।', 'मोगैंबो खुश हुआ!' हिंदी फिल्मों के खलनायकों द्वारा बोले गए ऐसे कई संवाद आज भी जीवंत बने हुए हैं।

ये एक्टर हुए सर्वाधिक चर्चित: बात जब हिंदी फिल्मों के खलनायकों की होती है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में उभरते हैं, उनमें शामिल हैं-के.एन. सिंह, कन्हैया लाल, प्राण, अजीत, प्रेमनाथ, मदन पुरी, अमजद खान, जीवन, डैनी डेंजोंगपा, कुलभूषण खरबंदा, अमरीश पुरी, मुकेश तिवारी, कृष्ण धवन, प्रेम चोपड़ा, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, शक्ति कपूर, कादर खान, रजा मुराद, परेश रावल, सदाशिव अमरापुरकर, किरण कुमार। एक बात यह भी है कि संजीव कुमार से लेकर कबीर बेदी तक और शाहरुख खान, ओम पुरी, मोहनीश बहल, अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान, संजय दत्त, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, रणवीर सिंह, अनुपम खेर जैसे अभिनेताओं ने भी कम लेकिन विलेन के शानदार रोल निभाए हैं।

यादगार खलनायकों में शामिल गब्बर सिंह: बॉलीवुड में अब तक निभाए गए खलनायक के सबसे प्रभावशाली और यादगार किरदारों में 1975 में आई फिल्म 'शोले' का गब्बर सिंह शामिल है। जिसे पर्दे पर जीवंत किया था अभिनेता अमजद खान ने। पूरे फिल्म सिनेरियो पर नजर दौड़ाएं तो अमजद खान, सिर्फ गब्बर के रोल के कारण अपने पूर्व, समकालीन और बाद के फिल्मी खलनायकों से काफी ऊपर हैं। 'जो डर गया समझो मर गया', 'कितने आदमी थे', 'ये हाथ हमको दे दे ठाकुर', 'तेरा क्या होगा कालिया', फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का एक-एक संवाद खूब पॉपुलर हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

अनुपम खेर

कुलभूषण खरबंदा

'शान' का क्रूर विलेन शाकाल: 'शोले' के बाद की कई फिल्मों में गब्बर सिंह की तरह ही फिल्म के विलेन को खतरनाक और प्रभावशाली ढंग से दिखाने का प्रयास किया गया। 1980 में आई 'शान' में शाकाल का रोल प्ले किया था कुलभूषण खरबंदा ने। 'शाकाल के हाथ में जितने पत्ते होते हैं, उतने ही पत्ते उसकी आस्तीन में होते हैं', 'आदमी दुनिया में हर काम कभी न कभी पहली बार करता ही है', जैसे डायलॉग्स उन दिनों खूब लोकप्रिय हुए थे।

प्रेम चोपड़ा का अलग अंदाज: 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं।' प्रेम चोपड़ा का वह संवाद, जिसे उन्होंने 1983 में 'सौतन' फिल्म में बोला था, उनकी पहचान बन गया। प्रेम चोपड़ा तो अपने रियल नाम से भी फिल्मों में फेमस हुए। 1973 की 'बॉबी' में जब वह कहते हैं, 'प्रेम नाम है मेरा', तो सिनेमा हाल में बैठे हुए दर्शक समझ जाते कि अब नायक-नायिका के साथ कुछ गड़बड़ होने वाली है।

'कर्मा' का इंटेंस विलेन डॉक्टर डैंग: 1986 की फिल्म 'कर्मा' में अनुपम खेर ने डॉक्टर डैंग की यादगार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। फिल्म के एक दृश्य में दिलीप कुमार से थप्पड़ खाने के बाद डॉक्टर डैंग का यह डायलॉग, 'इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर।' आज भी दर्शक नहीं भूले हैं। इसके बाद उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की वह डॉक्टर डैंग को दर्शकों के बीच चर्चित कर गया। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार और उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

कोई नहीं अमरीश पुरी जैसा: हिंदी फिल्मों में कई खलनायक ऐसे हुए हैं, जो पर्दे पर जब तेवर दिखाते हैं तो सामने वाले हीरो पर पूरी तरह हावी हो जाते हैं। ऐसे ही विलेन में अमरीश पुरी भी शामिल हैं। अमरीश पुरी ने 'मिस्टर इंडिया' और 'लोहा' में ऐसे अपना रोल निभाया कि पर्दे पर उनके आते ही दर्शक सीट से उठते ही नहीं थे। दोनों फिल्मों में एक दशक का अंतर था। गब्बर के बाद अमरीश पुरी ही ऐसे खलनायक रहे हैं, जिनके संवाद बच्चों को भी याद हैं। 'मिस्टर इंडिया' में उनके बोले संवाद 'मोगैंबो खुश हुआ' को आज भी बच्चे बोलते रहते हैं।

इनकी खलनायकी ने कायम की मिसाल: प्राण ने भी अपनी खलनायिकी के अंदाज से बड़े-बड़े नायकों को पर्दे पर टक्कर दी। उनकी बेहतरीन खलनायिकी को सामने लाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। प्राण की तरह ही मदनपुरी और प्रेमनाथ भी खलनायिकी करने में उस्ताद थे। प्रेमनाथ का 'पराया धन' तथा 'जॉनी मेरा नाम' में विलेन का रंग बहुत चमकदार रहा। इनके अलावा शक्ति कपूर, किरण कुमार, कादर खान, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, परेश रावल और भी कई ऐसे फिल्मी विलेन हुए हैं, जिन्हें नायकों की तरह ही पहचाना जाता है। 'चाइना गेट' में डाकू जगीरा का रोल करने वाले मुकेश तिवारी और 'राम तेरी गंगा मैली' के माणिक लाल उर्फ कृष्ण धवन को भी दर्शक याद करते हैं। *

शक्ति कपूर

रंजीत